रविवार, 30 नवम्बर 2025

मौसम

तापमान	18 – 28
आर्द्रता	55%
सूर्योदय: 5:58	सूर्यास्त: 16:51

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्वदेशी 'स्टील्थ फ्रिगेट' तारागिरि भारतीय नौसेना को सौंपा गया पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष दशमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : इंसान के अंदर अगर संतोष है तो वह सबसे ज्यादा अमीर है।

भारत ने सबसे अधिक वोट के साथ एक बार फिर आईएमओ परिषद का चुनाव जीता

लंदन : भारत आगामी दो वर्षों के लिए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की 40 सदस्यीय परिषद के लिए के लिए चुना गया है। लंदन में आईएमओ की सभा के दौरान हुए चुनाव में भारत को उसकी श्रेणी में सबसे अधिक वोट मिले। भारत ने शुक्रवार को 'बी' श्रेणी में चुनाव जीता है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आईएमओ ने कहा कि नव निर्वाचित परिषद का 136वां सत्र चार दिसंबर को होगा, जिसमें अगले दो साल के लिए अध्यक्ष और सह अध्यक्ष चुने जाएंगे। लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग ने चुनाव के बाद कहा, भारत बी श्रेणी में सबसे अधिक 154 वोट हासिल कर दोबारा आईएमओ

कांग्रेस ने सरदार पटेल को इतिहास से मिटाने का बहुत प्रयास किया : नड्डा पृष्ठ 7

पाकिस्तान ने सीमा से 72 आतंकी 'लॉन्चपैड' हटाए

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए बल तैयार : बीएसएफ

जम्मू : पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकियों को भारतीय सीमा में धकेलने के लिए तैयार 72 से अधिक 'लॉन्चपैड' को अंदरुनी इलाकों में स्थानांतरित कर दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार सीमा पार अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' का दूसरा संस्करण शुरू करने का फैसला करती है, तो बल दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने हालांकि कहा कि बीएसएफ 7-10 मई तक चार दिनों तक चली सैन्य कार्रवाई को रोकने पर बनी सहमति का सम्मान कर रही है। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) विक्रम कुंवर ने संवाददाताओं से कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ द्वारा सीमा पर कई आतंकी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया गया था जिसके बाद पाकिस्तान सरकार ने ऐसे केंद्रों को भीतरी इलाके में स्थानांतरित कर दिया है... लगभग 12 लॉन्चपैड सियालकोट और जफरवाल में काम

कर रहे हैं, जो वास्तव में सीमा पर नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसी तरह सीमा से दूर अन्य भीतरी इलाकों में 60 लॉन्चपैड काम सक्रिय हैं।'' कुंवर ने बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी), शशांक आनंद और डीआईजी कुलवंत राय शर्मा के साथ 2025 में बल की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए आयोजित एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में बल की भूमिका की जानकारी दी, जो 22 अप्रैल को सीमा पार से जुड़े पहलगाम नरसंहार के लिए भारत की सैन्य प्रतिक्रिया थी। पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। अधिकारी ने बताया कि इन लॉन्चपैड के साथ-साथ उनमें मौजूद आतंकवादियों की संख्या भी बदलती रहती है। डीआईजी कुंवर ने बताया, ''वे वहां स्थायी रूप से नहीं रहते। ये लॉन्चपैड आमतौर पर तब सक्रिय होते हैं जब आतंकवादियों को (भारत में) धकेलना होता है... उन्हें दो या तीन से ज्यादा समूहों में नहीं रखा जाता।'' उन्होंने बताया कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के इलाकों में कोई प्रशिक्षण शिविर नहीं हैं। अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट में आमतौर पर कहा जात है कि लॉन्चपैड पर तैनाती की गई है, जो इस बात का संकेत है कि आतंकवादियों को अन्य क्षेत्रों में ले जाने से पहले प्रशिक्षण दिया गया है। डीआईजी कुंवर ने कहा, ''पहले, निर्धारित इलाके होते थे और आमतौर पर निचले इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के लोग आतंकी सक्रिय होते थे जबकि ऊपरी इलाकों में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी कार्य करते थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, उन्होंने एक मिश्रित समूह बनाया है ताकि संयुक्त रूप से मिश्रित समूह में प्रशिक्षण ले सके।'' महानिरीक्षक (आईजी) आनंद ने कहा कि यदि सरकार ऑपरेशन सिंदूर को फिर से शुरू करने का फैसला करती है तो बीएसएफ सरकार के आदेशों का पालन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''अगर हम 1965, 1971, 1999 के कारगिल युद्ध या ऑपरेशन सिंदूर की बात करें, तो बीएसएफ को हर तरह के युद्धों का अच्छा अनुभव है, चाहे वह पारंपरिक युद्ध हो या हाइब्रिड युद्ध। हम तैयार हैं।''

अमेरिका-चीन की नीतियों ने बदला विश्व समीकरण : जयशंकर

वैश्विक व्यवस्था इस समय असामान्य संक्रमण के दौर से गुजर रही हैं

कोलकाता: विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने शनिवार को बदलते भू-राजनीतिक माहौल पर बड़ा बयान दिया। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था इस समय असामान्य संक्रमण के दौर से गुजर रही है, जहां अमेरिका और चीन की नई रणनीतियों ने दुनिया के सामने जटिल विकल्प खड़े कर दिए हैं। भारत अपनी कमजोरियों को कम कर रहा है। अब हम दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। 2014 से पहले ऐसी सोच नहीं थी, लेकिन अब 'मेक इन इंडिया' हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से आधुनिक वैश्विक व्यवस्था के संरक्षक रहे संयुक्त राज्य अमेरिका ने अब पूरी तरह नए नियम तय कर दिए हैं और वह देशों से बहुपक्षीय ढांचे के बजाय एक-एक करके डील कर रहा है। यह रुख पहले की अमेरिकी विदेश नीति से बहुत अलग है और इससे वैश्विक संतुलन पर सीधा असर पड़ा है। जयशंकर ने कहा कि चीन काफी समय से अपने तरीके से काम करता आया है और अब इसका स्तर और बढ़ गया है। ऐसे में कई देशों के सामने यह दुविधा है कि वे अमेरिका-चीन की प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा पर ध्यान दें या फिर उन सौदों और समझौतों पर, जो इस प्रतिस्पर्धा के बीच चुपचाप आकार लेते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण, बढ़ती खेमेबंदी और सप्लाई चेन की असुरक्षा ने बाकी दुनिया को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने वाली नीति अपनाने पर मजबूर कर दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया के कई देश आज दोनों अमेरिका और चीन से सीधे जुड़ने के साथ-साथ अपने विकल्प भी मजबूत कर रहे हैं। जहां तक संभव है, वे किसी एक पक्ष का स्पष्ट चुनाव करने से बच रहे हैं और तभी निर्णय ले रहे हैं, जब वह उनके हित में हो। उन्होंने इसे 'हेजिंग' की नीति बताया और कहा कि इस स्थिति ने देशों को आपस में नए विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है। इसका एक प्रमुख संकेत फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) के प्रति बढ़ता वैश्विक उत्साह है।

आईआईएम-कलकत्ता के डायरेक्टर अलोक कुमार राय ने विदेश मंत्री को मानद 'डॉक्टरेट' उपाधि प्रदान की

भारत का मास्टरप्लान, किसी के दबाव में नहीं आएंगे

विदेश मंत्री ने बताया कि भारत इन चुनौतियों का सामना कैसे करेगा। हम ऐसी नीति अपना रहे हैं जिससे देश की ताकत बढ़े। कूटनीति का मुख्य काम देश का प्रभाव बढ़ाना है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से ऊपर जा रही है। हम दुनिया में बड़ी जिम्मेदारियां उठाने को तैयार हैं। एक बड़े देश के पास मजबूत इंडस्ट्रियल बेस होना चाहिए। 2014 से पहले नीति निर्माता ऐसा नहीं सोचते थे। अब औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है। हमें अपनी कमजोरियों को हर हाल में कम करना होगा।

चीन का दबदबा और सप्लाई चेन का संकट

जयशंकर ने वैश्विक उत्पादन पर भी चिंता जताई है। दुनिया का एक तिहाई उत्पादन अभी चीन में होता है। इससे सप्लाई चेन की विश्वनीयता पर सवाल उठते हैं। जलवायु में बदलाव और युद्ध ने खतरा और बढ़ा दिया है। ऊर्चा के मामले में अमेरिका अब बड़ा निर्यातक बन गया है। वहीं नवीकरणीय की दुनिया में चीन का कब्जा है। ट्रेड में डिमांड और सप्लाई दोनों साइड रिस्क हैं। अब वित्तीय दुनिया में भी नए चैलेंज आ गए हैं।

ए320 विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट के चलते दुनिया भर में कई उड़ानें रद्द, कई में देरी

- भारत के एयरबस ए320 बेड़े में 80% जरूरी बदलाव हुए पूरे

वाशिंगटन : दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने शुक्रवार को बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ मिलकर विमानन कंपनियों को नया सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्देश दिया है। इससे अमेरिका में पंजीकृत 500 से अधिक विमान प्रभावित होंगे। यूरोप की सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि इससे उड़ानों में कुछ समय के लिए दिक्कत आ सकती है। यह समस्या विमान के कंप्यूटर में पहले किए गए एक सॉफ्टवेयर अपडेट की वजह से आई थी। जापान में 30 से अधिक ऐसे विमानों का परिचालन करने वाली ऑल निप्पॉन एयरवेज (एएनए) ने शनिवार के लिए 65 घरेलू उड़ानें रद्द कर दीं। रविवार को भी कुछ उड़ानें रद्द हो सकती हैं। ये बदलाव ऐसे समय में हो रहे हैं, जब अमेरिका में 'थैंक्सगिविंग' छुट्टियों के बाद लोग घर लौट रहे हैं। यह अमेरिका का सबसे व्यस्त हवाई यात्रा का समय होता है। अमेरिकन एयरलाइंस के पास ए320 बेड़े के करीब 480 विमान हैं, जिनमें से 209 को अपडेट की जरूरत है।

राज्यपाल ने राजभवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' रखा

- केंद्र के निर्देश पर सबसे पहले अमल करने वाला पहला राजभवन बना कोलकाता

कोलकाता : राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में केंद्र सरकार के एक हालिया निर्देश को सबसे पहले लागू करते हुए कोलकाता में स्थित राजभवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' कर दिया। इसी के साथ कोलकाता राजभवन देश का पहला राजभवन बन गया है जिसका केंद्र के निर्देश पर तत्काल अमल करते हुए नाम बदलकर 'लोक भवन' किया गया है। राजभवन की ओर से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के 25 नवंबर के पत्र के अनुरूप, यह

अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के राजभवन, बैरकपुर स्थित फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राजभवन परिसरों का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। अधिसूचना जारी होने के कुछ घंटे बाद राज्यपाल बोस ने दोपहर में एक औपचारिक समारोह में राजभवन वाला नाम पट्टिका हटाकर लोक भवन वाला नया पट्टिका लगा दिया। राजभवन, जिसे अब लोक भवन नाम दिया गया है, राज्यपाल का आधिकारिक आवास और कार्यालय है। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गृह मंत्रालय ने बीते 25 नवंबर को देश के सभी राजभवनों का नाम लोक भवन करने संबंधी एक निर्देश जारी किया था। इसके बाद, सबसे पहले बंगाल के राज्यपाल ने ही इस निर्देश को लागू किया है। अधिकारी के अनुसार, पिछले साल दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के सम्मेलन में बोस ने ही राजभवन का नाम लोक भवन करने का प्रस्ताव दिया था। राज्यपाल के अनुसार, यह कदम शासन को अधिक जनसुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है, ताकि आम लोग बिना किसी औपचारिकता के यहां अपनी समस्याएं लेकर आ सकें। नए नाम के साथ यह स्थान और अधिक पारदर्शी तथा लोक-केंद्रित कार्यों के लिए समर्पित होगा। नाम परिवर्तन के बाद पूरे परिसर में बड़े स्तर पर बदलाव शुरू कर दिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि आधिकारिक लेटरहेड से लेकर वेबसाइट पर भी अब राजभवन की जगह लोक भवन लिखा होगा। राजभवन के सभी द्वारों और वाहनों पर भी लगी पुरानी नाम पट्टिकाएं बदली जाएंगी।

लाल किला विस्फोट: अदालत ने तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी चार आरोपियों - मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागय को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा, ''एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है।'' दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

'ऑपरेशन सिंदूर' नागरिक-सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण : रक्षा मंत्री पृष्ठ 7

ब्रिटिश राज से पहले भारतीयों में एकता की कमी पर गांधी का विचार औपनिवेशिक शिक्षा से प्रेरित था : भागवत

नागपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि महात्मा गांधी का यह विचार कि ब्रिटिश शासन से पहले भारतीयों में एकता का अभाव था, औपनिवेशिक शिक्षा से प्रेरित एक गलत विमर्श है। भागवत ने नागपुर में राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में कहा, ''गांधीजी ने (अपनी पुस्तक) हिंद स्वराज में लिखा है कि अंग्रेजों के आने से पहले हम एकजुट नहीं थे, लेकिन यह उनके द्वारा हमें सिखाई गई झूठी कहानी है।'' गांधीजी द्वारा 1908 में गुजराती में लिखी गई और 1909 में उनके द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित 'हिंद स्वराज' में 20 अध्याय हैं और यह पाठक और एक सम्पादक के बीच बातचीत की शैली में लिखा गया है। भागवत ने कहा कि भारत की 'राष्ट्र' की अवधारणा प्राचीन और पश्चिमी व्याख्याओं से मूलतः भिन्न है। उन्होंने कहा, ''हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हम विवादों से दूर रहते हैं। विवाद करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है। एकजुट रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना हमारी परंपरा है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में विकसित हुए हैं। भागवत ने कहा, ''एक बार कोई मत बन जाने के बाद

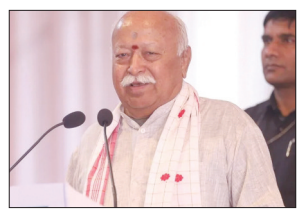

उससे अलग कोई भी विचार अस्वीकार्य हो जाता है। वे अन्य विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे 'वाद' कहकर पुकारने लगते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं। राष्ट्र के प्रति अत्यधिक गर्व के कारण दो विश्व युद्ध हुए और यही कारण है कि कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं।'' भागवत ने कहा कि यदि राष्ट्र की उस परिभाषा को माना जाये, जो पश्चिमी संदर्भ में समझी जाती है, तो उसमें आमतौर पर एक राष्ट्र की व्यवस्था होती है, जिसमें केंद्र सरकार क्षेत्र का संचालन करती है, लेकिन भारत हमेशा से एक 'राष्ट्र' रहा है, चाहे अलग-अलग शासन-व्यवस्थाएं रही हों या विदेशी शासन का समय रहा हो। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता अहंकार या अभिमान से नहीं, बल्कि लोगों के बीच गहरे अंतर्संबंध और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से उपजी है।